टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम. ए. हिंदी, द्वितीय वर्ष (भाग-२)

मई २००९ परीक्षा

विषय : आधुनिक काव्य (H-201)

दिनांक : १९/५/२००९ **कुलअंक : १००** **समय : दो २.०० से दो. ५.००**

सूचनाएँ : १. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

पाठ्यपुस्तकें-१) कामायनी-जयशंकर प्रसाद

२) संशय की एक रात- नरेश मेहता.

३) ग्राम्या-सुमित्रानंदन पंत

४) दिशांतर-संपा. श्रीवास्तव/तिवारी

५) यक्ष का संदेश-हरिनारायण व्यास (पुराना काव्य-संकलन)

६) जहाँ शब्द है।-डॉ. प्रभाकर माचवे (नया काव्य-संकलन)

प्रश्न १. अ) 'कामायनी'महाकाव्य की प्रतीकात्मकता एवं उससे प्राप्त संदेश को लिखिए। **(२०)**

अथवा

ब) 'संशय की एक रात'में संशयो का कौन सा क्रम है? संशय- निराकरण के संदर्भ में अपने विचार लिखिए ।

प्रश्न २. अ) 'ग्राम्या' की कविताओं में लोक जीवन एवं-व्यक्तित्व-विशेषों को किस प्रकार अभिव्यक्ति मिली है? **(२०)**

अथवा

ब) 'यक्ष का संदेश' की कविताओं में अभिव्यक्त नई कविता का रुप एवं युगीन जीवन के प्रतिबिंब को सोदाहरण रेखांकित कीजिए।

अथवा

क) डॉ. प्रभाकर माचवे का काव्य संग्रह 'जहाँ शब्द है' में संकलित कविताओं में कथ्य,भाषा एवं शिल्प का नयापन किस प्रकार दिखाई देता है?

प्रश्न ३. अ) 'दिशांतर' काव्य संग्रह में संकलित शमशेर बहादुर सिंह की कविताओं की विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। **(२०)**

अथवा

ब) 'कामायानी' महाकाव्य के 'चिंता'एवं 'आनंद' सर्ग की विशेषताओं को सविस्तार रेखांकित कीजिए ।

प्रश्न ४. निम्नलिखित में से किन्हीं दो संदर्भो की व्याख्या कीजिए। **(२०)**

१) शक्ति के विद्युत कण जो व्यस्त,
विकल बिखरे हैं, हो निरुपाय,
समन्वय उसका करे समस्त
विजयिनी मानवता हो जाय।

२) संधि या कि युद्ध
टूटे संदर्भ की मात्र
विवशता ही नहीं है।
नहीं हैं हम केवल
परिचालित यंत्र मात्र
किसी अदृश्य अंधे हाथों का ।

३) शिक्षा के सत्याभासों से ग्राम
नहीं है पीडित,
जीवन के संस्कार अविद्या तम में
जन के रक्षित ।

४) गंगाजल?
शहर में तीसरी मंजिलपर
रात के दो घंटे
नल में थोडा-सा पानी आता है,
अक्सर नल सूखे ही रहते हैं।

प्रश्न ५. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए **(२०)**

१) मनु का चरित्र-चित्रण ।

२) 'संशय की एक रात' की समस्या।

३) जहाँ शब्द हक्क' संकलन की 'घर' कविता की विशेषता।

४) 'यक्ष का संदेश' शीर्षक।